दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 रेलवे के कलपुर्जों का हब बनेगा गोरखपुर | 5 बीजेपी नेता का मर्डर | 8 'यह देखकर अच्छा लग रहा...'

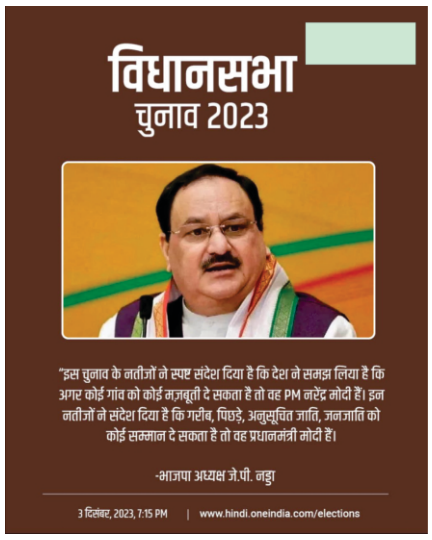

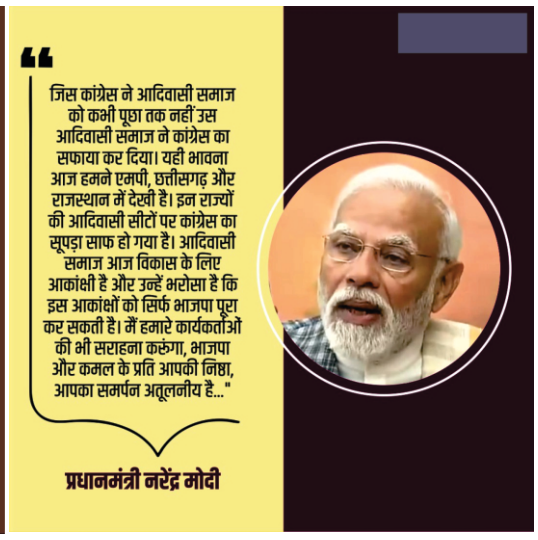

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 19 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 04 दिसम्बर, 2023

बीजेपी का विजय पथ गढ़ने में शामिल रहे दिल्ली के नेता, दो महीने तक बहाया अपना पसीना, तब जाकर मिली प्रचंड जीत

भाजपा नेताओं ने मध्य प्रदेश राजस्थान व छत्तीसगढ़ में पार्टी को मिली जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की जीत बताया है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर लसह बिधूड़ी ने कहा कि कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को मतदाताओं ने नकार दिया है। इससे स्पष्ट है कि वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा वर्ष 2019 से भी अधिक सीटें प्राप्त करेगी।

चला पीएम मोदी का जादू

मध्य प्रदेश और राजस्थान में चुनाव प्रबंधन संभाल रहे थे यहां के नेता संगठन महामंत्री के साथ सांसद, विधायक व अन्य नेताओं ने बहाया पसीना

नई दिल्ली। तमाम पूर्वानुमानों को गलत साबित करते हुए भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में शानदार सफलता हासिल की है। इससे दिल्ली के नेता व कार्यकर्ता भी खुश व उत्साहित हैं। लोकसभा चुनाव से पहले इन राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के कई भाजपा नेता लगभग दो माह तक अपना पसीना बहा रहे थे। उनका परिश्रम रंग लाया जिससे यह जीत दिल्ली के कार्यकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

राजस्थान

भाजपा नेताओं को राजस्थान व मध्य प्रदेश के कई विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई थी ।अगस्त में दिल्ली के सात विधायकों को राजस्थान के अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों में जमीनी स्थिति जानने के लिए भेजा गया था। उसके बाद सितंबर से दिल्ली प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री पवन राणा सहित अन्य नेता राजस्थान में चुनावी जिम्मेदारी संभाल रहे थे। राणा उदयपुर संभाग के चुनाव प्रभारी थे।

छत्तीसगढ़ में छाया भगवा, 'मोदी की गारंटी' के आगे फीके पड़े कांग्रेस के मुफ्त के वादे; जानें पंजे से कैसे छूटी सत्ता

28 में से 17 सीटों पर मिली जीत

इस संभाग के 28 में से 17 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। पिछली बार इस संभाग में भाजपा को 16 सीटें मिली थी। जाट मतदाताओं को पक्ष में करने के लिए पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा को जोधपुर ग्रामीण दक्षिणी जिले का प्रभारी बनाया गया था। वर्ष 2018 में इस जिले में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। इस बार चार में से तीन क्षेत्रों में पार्टी ने जीत प्राप्त की है। दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी टोंक जिले में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पार्टी ने कांग्रेस नेता सचिन पायलट के प्रभाव वाले इस जिले के चार में से दो सीटों पर जीत प्राप्त की है। पिछले चुनाव में सिर्फ एक सीट मिली थी। विधायक अभय वर्मा अजमेर शहर व अजय महावर जालौर जिले में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी देख रहे थे। दोनों जिलों में पार्टी को दो–दो सीटें मिली है। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय सिरोही और पूर्व महापौर जय प्रकाश जैसलमेर जिले में चुनाव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इन जिलों में भाजपा को दो–दो सीटें मिली हैं। वर्ष 2018 में भरतपुर जिला में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। इस बार सात में से पांच सीटों पर पार्टी को जीत मिली है। दिल्ली नगर पालिका परिषद के सदस्य कुलजीत सिंह चहल वहां चुनाव प्रबंधन देख रहे थे।

मध्य प्रदेश

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। इस बार भाजपा ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को दिमनी विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारकर इस जिले में पार्टी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। यहां चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी संभाल रहे थे। दिमनी सहित जिले के छह में से तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी दिल्ली के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व विधायक विजेंद्र गुप्ता के पास थी। पिछले चुनाव में इस जिले में भी पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। इस बार यहां के तीन में से दो विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों की जीत हुई है।

मोदी की नीतियों की जीत– भाजपा

भाजपा नेताओं ने मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में पार्टी को मिली जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की जीत बताया है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को मतदाताओं ने नकार दिया है। इससे स्पष्ट है कि वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा वर्ष 2019 से भी अधिक सीटें प्राप्त करेगी। प्रदेश सचिव हरीश खुराना और प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि आबकारी घोटाला व मुख्यमंत्री आवास नवीनीकरण में भ्रष्टाचार ने अरविंद केजरीवाल को जनता से दूर कर दिया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव परिणाम में इसकी झलक देखने को मिली है। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों को नोटा से भी कम मत मिले हैं।

भाजपा की 'सांसदों' वाली रणनीति कारगर साबित हुई। दरअसल, भाजपा ने इन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कई सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। पार्टीने मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात–सात और छत्तीसगढ़ में चार मौजूदा सांसदों को टिकट दिया था। आइए जानते हैं भाजपा की यह रणनीति कितनी कारगर साबित हुई...

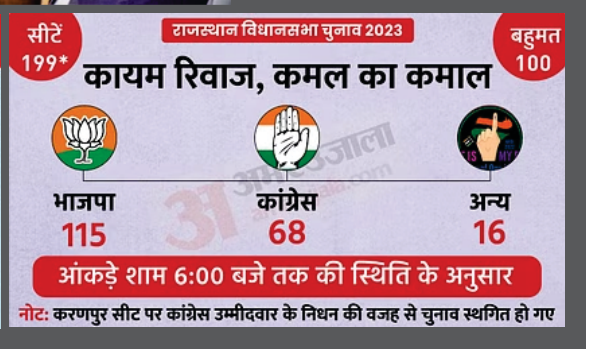

अलजजीरा ने लिखा, चार राज्यों के चुनाव नतीजों से अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले मतदाताओं के मूड का पता चला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरे कार्यकाल पर नजर गड़ाए हुए हैं। कांग्रेस को केवल तेलंगाना से ही संतोष करना पड़ा।

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों की मतगणना जारी है। अब तक रुझानों के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे चल रही है। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 163 सीटों पर जीत दर्ज की। जबकि कांग्रेस 66 सीटों तक ही समिट गई। भाजपा राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस से भी काफी आगे निकल गई। यहां की जनता पिछले तीन दशक से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है। भाजपा ने 115 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस 69 सीटों पर ही कब्जा कर सकी। इसके साथ ही कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में भी भाजपा ने 54 सीट और कांग्रेस 36 सीट अपने नाम की है।

परिणामों को देखें तो भाजपा की 'सांसदों' वाली रणनीति कारगर साबित होती दिखी। दरअसल, भाजपा ने इन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कई सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। पार्टी ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात–सात और छत्तीसगढ़ में चार मौजूदा सांसदों को टिकट दिया था। आइए जानते हैं भाजपा की यह रणनीति कितनी कारगर साबित हुई...

सम्पादकीय

उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी

उत्तर भारत के क्षत्रपों ने कांग्रेस को फिर डुबो दिया। जबकि तेलंगाना के नायक रेवंत रेड्डी ने कर्नाटक के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की तरह दक्षिण में कांग्रेस की नैया पार लगा दी

2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना। और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है। उत्तर भारत के क्षत्रपों ने कांग्रेस को फिर डुबो दिया। जबकि तेलंगाना के नायक रेवंत रेड्डी ने कर्नाटक के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की तरह दक्षिण में कांग्रेस की नैया पार लगा दी।

राहुल गांधी का रोल हर जगह समान रहा। खूब मेहनत की। निश्चित ही रूप से उनके साथ पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका गांधी की भी पूरी मेहनत रही। मगर उनके नेता कमलनाथ, गहलोत, पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव सब अपनी ढपली अपना राग बजाते रहे। किसी को न पार्टी की चिन्ता थी और न ही राहुल की। नतीजा सबके सामने है। जबकि दक्षिण में कर्नाटक भी और फिर तेलंगाना भी कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने अपना अहं छोड़कर पार्टी के लिए लड़ा। और वहां का नतीजा भी सामने है।

अब फैसला कांग्रेस नेतृत्व को करना है। उसे उत्तर भारत के इन क्षत्रपों पर लगाम लगाना है या फिर ऐसा ही ढीला ढाला रवैया चलते रहने देना है। राजस्थान में पांच साल से ज्यादा कांग्रेस में भयंकर गुटबाजी चली। 2018 के चुनाव में जाने से पहले गहलोत और पायलट में तलवारें खिंच चुकी थीं। और उसके बाद 2023 में रिजल्ट आने के बाद तक वे म्यानों में वापस नहीं गईं। हमने शायद दो साल पहले लिखा था कि वोट कांग्रेस को मिलते हैं। उसके नेताओं सोनिया गांधी राहुल के नाम पर। उसकी नीतियों को लोग पसंद करते हैं। मगर चुनाव जीतने के बाद क्षत्रप यह समझने लगते हैं कि वोट उन्हें मिले। लोकप्रियता उनकी है और वे अपनी मनमानी करने लगते हैं। हमारी यह बात उस समय कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं की समझ में आई थी। एकाध ने सार्वजनिक रूप से उसका समर्थन कर दिया। बड़ा हंगामा मचा। कांग्रेस के क्षत्रप लाल–पीले हो गए। मगर बात सच थी और आज नुकसान उठाकर कांग्रेस की समझ में आई है।

हमने यह भी लिखा था कि कांग्रेस को राजस्थान में गहलोत और पायलट दोनों को भूलकर तीसरा नेतृत्व तैयार करना चाहिए। मगर कांग्रेस कभी सुनती है? याद रखना चाहिए कि राजस्थान में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को किनारे करके चुनाव लड़ा। मगर कांग्रेस गहलोत और पायलट के बीच झूलती रही। जिस समय पायलट अपने विधायकों को लेकर मानेसर गए कांग्रेस क्या कर रही थी? क्यों नहीं पायलट के खिलाफ एक्शन लिया गया? और फिर जब पार्टी अपना सबसे बड़ा डिसिजन ले रही थी। परिवार के बाहर का अध्यक्ष बनाने का तो गहलोत ने राजस्थान की कहावत के अनुसार मु–ी भर बाजरे के लिए हिन्दुस्तान की बादशाहत ठुकरा दी। कांग्रेस गहलोत को अध्यक्ष बना रही थी। मगर राजस्थानी भाषा के अनुसार गहलोत नट गए। मतलब इन्कार कर दिया। और उसके साथ ही उन्होंने भी पार्टी का अनुशासन तोड़ने का एक बड़ा काम भी कर दिया। कांग्रेस ने वहां विधायक दल की बैठक बुलाई थी। उसमें आब्जर्वर के तौर पर उस समय के राजस्थान इंचार्ज अजय माकन और खरगे जी जिनका नाम उस समय अध्यक्ष पद की रेस में दूर–दूर तक नहीं था गए थे। मगर गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को उसे बैठक में जाने से रोक दिया। कांग्रेस इस पर कोई एक्शन नहीं ले पाई। नतीजा आज राजस्थान के रिजल्ट हैं।

मध्य प्रदेश की कहानी तो और भी खराब है। वहां तो कमलनाथ ने अपने आपको भावी मुख्यमंत्री ही लिखवाना शुरू कर दिया था। ये तो सबको मालूम था कि वे किसी से मिलते–जुलते नहीं हैं। मगर यह नहीं मालूम था कि वे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पूरे टर्म के अखिलेश यादव के लिए ऐसे भी बोल सकते हैं कि अरे छोड़िए भी अखिलेश वखिलेश! और इससे भी आगे जाकर दस साल मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह और उनके विधायक पुत्र जयवर्द्धन सिंह जिनका टिकट बंटवारे से कोई लेना–देना नहीं के लिए यह बोल सकते हैं कि जाकर उनके कपड़े फाड़ो।

दिग्विजय ने एक कार्यक्रम में इस पर कमलनाथ की मौजूदगी में ही हल्के व्यंग्य के साथ एक कमेंट भी किया। मगर पार्टी की एकता बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए ज्यादा तूल नहीं दिया। इसके साथ ही बेमतलब की फिल्मी डायलगबाजी की गई। वहां कांग्रेस इन्चार्ज के तौर पर अच्छा–भला बैकग्राउंड में रहकर काम कर रहे वरिष्ठ नेता जयप्रकाश अग्रवाल को अचानक प्रेस नोट जारी करते पद से हटा दिया गया। इतने वरिष्ठ नेता को पहले से जानकारी देना भी कांग्रेस ने उचित नहीं समझा। जिस समय उन्हें हटाने की विज्ञप्ति आई वे कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में पत्रकारों को भाजपा पर बाइट दे रहे थे। बता रहे थे कि कांग्रेस कैसे मध्य प्रदेश से भाजपा को हटाएगी मगर उसी समय उन्हीं को हटा दिया गया। उनकी जगह आए रणदीप सुरजेवाला ने उनकी चुपचाप काम करने वाली स्टाइल के विपरीत धूम–धड़ाका शुरू कर दिया। कमलनाथ और दिग्विजय को फिल्म शोले की जय–वीरू की जोड़ी बता दिया। बीजेपी तो इसी के इंतजार में थी। उसने फौरन सवाल किया की फिल्म खत्म होने से पहले एक खत्म हो गया था। वह कौन है? और वह अब कमलनाथ निकले। कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ ने तारीख तो मध्यप्रदेश में उनके शपथ ग्रहण की बताई थी मगर किस को पता था कि उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी। कमलनाथ किसी की सुनते नहीं थे। इंडिया गठबंधन ने जिस एंकर का बायकाट किया था उसे वे अपने जहाज में घुमाते हुए इंटरव्यू दे रहे थे। अपने आसपास के लोगों द्वारा रोज सुबह–शाम जय जय कमलनाथ सुनकर उन्हें लगने लगा था कि वे मुख्यमंत्री बन ही गए हैं।

अब बात छत्तीसगढ़ की। जहां कांग्रेस सबसे ज्यादा अपनी जीत सुनिश्चित मान रही थी। भाजपा को दस से ज्यादा सीटें न देने की बात कही जा रही थी। वहां मुख्यमंत्री बघेल, कमलनाथ जैसे अहंकार में तो नहीं थे मगर आत्ममुग्ध थे। उनके आसपास भी ऐसे लोगों की भीड़ जुट गई थी जो करते–धरते तो कुछ नहीं थे मगर रोज आकर बघेल को कहानियां सुनाते थे कि उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है। तीनों राज्यों में एक बात कॉमन थी कि दो के मुख्यमंत्री गहलोत और बघेल को और तीसरे के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को चापलूस लोगों ने घेर रखा था। सत्ताधारियों का चाटुकारों और दलालों से घिरा होना कोई खास बात नहीं मगर खास बात यह है कांग्रेस के नेता इनके अलावा किसी और से कोई संपर्क ही नहीं रखते थे।

यहां एक बात और कह दें कि दिल्ली भी अब अपने नेताओं पर निगाह नहीं रख पाती है। इन्दिरा गांधी के समय तक कांग्रेस में एक निगरानी की व्यवस्था थी। बाद में बीच के लोगों ने खुद ही सबकुछ देख लेने की जिम्मेदारी लेकर सब कुछ व्यक्तिगत बना दिया। सिस्टम खत्म कर दिया। 2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना। और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है। उसे लिस्ट में से उन सब लोगों को निकालकर बाहर कर देना चाहिए जो केवल बातें करते हैं। जिनका कोई काम नहीं है। नए लोगों को जिम्मेदारियां देना चाहिए। गणेश परिक्रमा करने वाले कांग्रेस के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

विश्राम देने से जी उठा जंगल

जलवायु बदलाव के इस दौर में जंगल को फिर से पुनर्जीवन प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इस इलाके में कुड़ी व पिपलेत गांवों में वन संरक्षण किया जा चुका है। इस पूरे काम से यह निष्कर्ष निकलता है कि गांवों की आपसी समझ, एकता वनों के विश्राम और मेहनत से उजड़ रहे वनों को नया जीवनदान मिल सकता है। प्राकृतिक संसाधनों में कमी, जलस्रोतों का सूखना, भूक्षरण, भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। पर्यावरण का संकट बढ़ रहा है। ऐसे दौर में जड़धार के जंगल ने नया रास्ता दिखाया है। उत्तराखंड की हेंवलघाटी की गोद में बसा है जड़धार गांव। यहां अस्सी के दशक तक पहाड़ों की हरियाली कम हो चुकी थी। जंगल में गिने–चुने पेड़ ही बचे थे। चारा–पत्ती, पानी और ईंधन की कमी हो गई थी। इससे चिंतित होकर गांव वालों ने पेड़ बचाने व नंगे वृक्षविहीन जंगल को हरा–भरा करने की ठानी और इसे कर दिखाया। कुछ ही सालों में जंगल जी उठा, पहाड़ों पर हरियाली लौट आई।

यह बदलाव की कहानी है– उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के चम्बा विकासखंड में स्थित जड़धार गांव की। इसी इलाके में सत्तर के दशक में जंगल को बचाने का विश्व प्रसिद्ध चिपको आंदोलन हुआ था। यहां के अद्वाणी व सलेत के ग्रामीण जंगल को बचाने के लिए पेड़ों से चिपक गए थे। यह सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं था बल्कि अद्वाणी व सलेत के वनों को काटने से रोकने के लिए वास्तव में पेड़ों से चिपके थे। गांधीवादी सोच का यह अनूठा सत्याग्रह था। इस आंदोलन की चर्चा देश– दुनिया में हुई थी और यहां हरे पेड़ों के कटने पर रोक लग गई थी। इस इलाके को हेंवलघाटी कहा जाता है। हेंवल नदी सिद्धपीठ सुरकंडा देवी की पहाड़ी से निकलकर आगे ऋ षिकेश के समीप शिवपुरी में गंगा में विलीन हो जाती है। पहले इन पहाड़ियों में खूब बर्फ पड़ती थी, मई माह तक भी सुरकंड़ा की बर्फ नहीं पिघलती थी। एक जमाने में यह क्षेत्र बांज, बुरांस, मैरू, देवदार, रई, मुरेंडा आदि प्रजातियो के घने जंगल से ढंका रहता था। लेकिन 60 के दशक में इस कुदरती जंगल पर संकट आया। 80 के दशक तक आते–आते पूरा पहाड़ ही नंगा हो गया,जैसे किसी व्यक्ति के सिर पर उस्तरा फेर दिया हो। क्षेत्र के लोगों ने जंगल काट डाले। इससे जैव विविधता का संकट तो हुआ ही यहां से निकलने वाली नदियां भी सूखने लगीं। झरने व जलस्रोत भी जवाब देने लगे। इसी इलाके में शराब विरोधी आंदोलन व चूना पत्थर के खनन के खिलाफ आंदोलन चला था, जिसकी रजत जयंती पर 28 दिसंबर (2020) को बड़ा समारोह भी कटाल्डी गांव में हुआ। इस कार्यक्रम में चिपको आंदोलन के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

सीढ़ीदार पहाड़ पर बसे गांव के जंगल को देखने मैं कुछ साल पहले गया था। इसी गांव के निवासी हैं विजय जड़धारी, जो चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता रहे हैं। जब चिपको आंदोलन का दौर निकल गया, तो उन्होंने गांववासियों के साथ यहां के उजड़ चुके जंगल को फिर से हरा–भरा करने की पहल की। साथ ही बीज बचाओ आंदोलन शुरू किया। देसी बीजों की पारम्परिक खेती को बचाने के लिए मुहिम छेड़ी। उनका पारंपरिक खेती पद्धति बारहनाजा (मिश्रित खेती की पद्धति) का अनुभवजन्य ज्ञान व जानकारी उपयोगी है। उन्होंने अपने अनुभव व पारंपरिक ज्ञान के आधार पर कई किताबें लिखी हैं, जिनकी सराहना अकादमिक दुनिया में भी हुई है।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जंगल को मैंने देखा था। जंगल और पहाड़ को नजदीक से देखने का आनंद ही अलग होता है। ये हमें आज के भागमभाग और तनावपूर्ण माहौल में सदा आकर्षित करते हैं। जहां देश के अन्य इलाकों में जंगल कम हुए हैं, वहां उत्तराखंड इसका अपवाद कहा जा सकता है।

विजय जड़धारी बताते हैं कि टिहरी–गढ़वाल की चंबा–मसूरी पट्टी में पहले अच्छा और सुंदर जंगल था। इस गांव में भी था। पहाड़ के ढलानों से हरियाली की चादर हटने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बना रहता था। यहां के कई सदाबहार जलस्रोत सूख गए थे, तब गांववाले चिंतित हो उठे। इकठ्ठे होकर सोचने लगे, और वनों के जतन में जुट गए। जंगल बचाने की प्रेरणा चिपको आंदोलन की थी।

वे आगे बताते हैं कि जड़धार गांव के लोगों ने मिलकर तय किया कि जंगल को बचाया जाए। इसके लिए एक वन सुरक्षा समिति बनाई गई। जंगल से किसी भी तरह के हरे पेड़, ठूंठ, यहां तक कि कंटीली हरी झाड़ियों को काटने पर रोक लगाई गई। कोई भी व्यक्ति यदि अवैध रूप से हरी टहनी या झाड़ी काटता है तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा, ऐसा तय किया गया।

कुछ समय के लिए पशु चरने पर भी रोक लगाई गई। कोई व्यक्ति वनों को किसी प्रकार नुकसान न पहुंचाए, यह सुनिश्चित किया गया। यह काम गांव की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया गया जिसमें जरूरत पड़ने पर थोड़ा बहुत फेरबदल किया जा सके। जंगल की रखवाली के लिए वन सुरक्षा समिति ने दो वनसेवक नियुक्त किए, जिन्हें गांववाले पैसे एकत्र कर कुछ आंशिक मानदेय देने लगे। जो पैसा जुर्माने से एकत्र होता उसे वनसेवकों को मानदेय के रूप में दे दिया जाता। हालांकि मानदेय की राशि कम थी, फिर भी वनसेवकों ने यह काम अपना समझकर किया।

वनसेवक रहे हुकुमसिंह बताते हैं कि जंगल की रखवाली के लिए हर महीने 300 रुपए मिलते थे। 20–22 साल तक जंगल की रखवाली करते रहे। पहले 3–4 फुट छोटे पौधे थे। रूखा–सूखा जंगल था। बाद में 15 फीट ऊंचे पेड़ हो गए। जंगल में बांज, बुरांस, काफल, बमोरा, खाकसी के पेड़ बहुतायत में थे। बांज के पेड़ से चारा, पत्ती व खाद मिलती है। यह पेड़ मिट्टी को बांधने एवं जलस्रोतों की रक्षा का काम भी अन्य पेड़ों के मुकाबले ज्यादा करता है। इसका जंगल ही पानी का सदानीरा स्रोत हैं। गर्मी के मौसम में भी इसका ठंडा जल रहता है।

जड़धार गांव के निवासी व स्वतंत्र पत्रकार रघुभाई जड़धारी ने बताया कि हमने जंगल को 15 साल तक कुदरती तौर पर बढ़ने दिया गया। चौकीदार रखे, जंगल को विश्राम दिया, आग से जंगल को बचाया, जहां कहीं भी धुआं देखा वहां तुरंत पहुंच जाते और आग बुझाते। इसमें गांववालों की भी मदद लेते।

आग बुझाने में गांववासी बहुत मेहनत और साहस का परिचय देते हुए आग पर काबू पाते। और इस तरह जंगल में हरियाली लौट आई। पटुडी, आराकोट में भी ऐसी पहल हुई, जंगलों को बचाने का एक माहौल बन गया। विजय जड़धारी ने बताया कि हालांकि यहां वृक्षारोपण व पेड़ लगाने का काम भी प्रतीकात्मक हुआ है लेकिन वनों को फिर से हरा–भरा करने में महती भूमिका वनों को विश्राम (बंद वन) देने की है। यानी उन्हें उसी हाल में प्रकृति के हवाले छोड़ दिया जाए, जिसमें वह है। सिर्फ उनकी रखवाली की जाए और उसे पनपने दिया जाए, और बढ़ने, पल्लवित–पुष्पित होने दिया जाए। लोग जैसे अपने खेतों की देखभाल करते हैं उसी तरह जंगल की देखभाल करने लगे। धीरे–धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी। दो–तीन सालों में ही सूखे जंगलों में फिर से हरियाली लौटने लगी।

वे आगे बताते हैं कि शंकुधारी वृक्ष चीड़, देवदार यदि कट गए तो इनमें दुबारा कल्ले (नई कोंपलें) नहीं आते हैं। जबकि बांज, बुरांस, काफल, अथांर, घिंघारू, किनगोड़, खाकसी, बमोर घने होते हैं। और उनमें 1–2 साल में ही नए कल्ले आने शुरू हो गए। झाड़ियां आ गईं। जलाऊ लकड़ियां मिलने लगीं। इससे उत्साह बढ़ने लगा।

वन सुरक्षा समिति की समय–समय पर बैठकें होती थीं। कभी 3 महीने में, कभी 6 महीने मे बैठकों का दौर जारी रहा। बंद वन जागरूकता कार्यक्रम भी चलता रहा। 5–7 साल में जो जलस्रोत पूरी तरह सूख गए थे, उनमें पानी आ गया। वे कल–कल बहने लगे। इस गांव के आसपास दो दर्जन जलस्रोत हैं। नए पेड़ों ने पहाड़ को हरियाली से ढंक दिया। बांज, बुरास, काफल के पुराने ठूंठों पर फिर नई शाखाएं फूटने लगीं। अंयार, बंमोर, किनगोड हिंसर, साकिना, धौला, सिंस्यारू, खाकसी आदि पेड़–पौधे दिखाई देने लगे। और आज ये पेड़ लहलहा रहे हैं। बारिश को समाहित करने की शक्ति पेड़ों में होती है, इससे भूक्षरण व भूस्खलन भी कम हो गया। गाय–भैंसों के नीचे बिछाने के लिए पत्ती व घास चारे व ईंधन की सुविधा हो, इसकी कोशिश की जाने लगी।

90 के दशक में यहां हरित हिमालय कार्यक्रम चला। इसे भारत सरकार व हिमालय ट्रस्ट ने संयुक्त तौर पर पायलेट प्रोजेक्ट की तरह चलाया। हमारे यहां हेंवलघाटी हरियाली कार्यक्रम के नाम से संचालित हुआ। इसके तहत् 2 साल तक वनसेवकों को मानदेय दिया गया। यह वर्ष 1991–92 की बात है। तब कश्मीर से कागजी अखरोट के बीज लाकर नर्सरी बनाई गई, अखरोट के पौधे लोगों को बांटे गए थे जो कई साल पूर्व से अब तक लोगों को अच्छी आमदनी दे रहे हैं।

पिछले चार दशक से हरियाली वापसी के इस काम का नतीजा यह है कि बुरांस, काफल के सघन जंगल प्रकृति अपने आप वापस ले आई। अब जंगल इतना घना हो गया है कि सूरज की रोशनी जमीन पर नहीं पहुंचती। जड़ी–बूटी, घास, लताएं, बेल फिर से आ गईं। काफल, बांज, बुरांस खूब हो गए। बुरांस के लाल फूल अलग ही छटा बिखेरते हैं। काफल का खट्टा–मीठा फल लोगों की पोषण सुरक्षा व रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाने का काम करता है।

सूखे पानी के जलस्रोत फिर फूट पड़े, सदानीरा हो गए। यहां के कुलेगाड, मूलपाणी, लुआरका पाणी, सांतीपुर पाणी, नागुपाणी, खुलियो गउ पाणी, रांता पाणी और द्वारछिलापाणी सहित 2 दर्जन जलस्रोत हैं। ये सदाबहार जलस्रोतों से ही साल भर गांवों को पीने का पानी मिलता है। चौड़ी पत्ती के जंगल बारिश के पानी का स्पंज हैं। वे पानी को सोखकर रखते हैं। जहां ऐसे जंगल होते हैं वहां जलस्रोत सदानीरा होते हैं। पानी छन छन, कल कल बहता रहता है। इसके अलावा, कई वन्य प्राणियों ने भी इस जंगल को अपना आशियाना बना लिया है। भालू, सेही, बघेरा, तेंदुआ, बारहसिंघा, हिरण, जंगली सुअर, बंदर आदि यहां प्रायः दिखते हैं। हिरणों की टोलियां बिचरती रहती हैं।

'गोविंदबल्लभ पंत हिमालयी पर्यावरण व विकास संस्थान' (श्रीनगर, गढ़वाल) के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में इसे पुनर्जीवित सर्वश्रेष्ठ जंगलों में बताया है। पुणे के पक्षी विशेषज्ञ डा. प्रकाश गोले ने यहां कुछ ही घंटों में पक्षियों की 95 प्रजातियों की गिनती की। जंगल बढ़ाने में यह सहायक हुए हैं। जड़धारी कहते हैं कि दूर–दूर से यह पक्षी बीज लाकर इस जंगल के अवैतनिक सेवक बन गए हैं। ग्राम वन पंचायत यहां वन संरक्षण व वन प्रबंधन का काम करती हैं। उत्तराखंड में वन पंचायतों का इतिहास पुराना है। ब्रिटिश शासन से वन पंचायतें थीं। विजय जड़धारी बताते हैं कि वन पंचायत स्वशासन का एक उदाहरण हैं। आसपास के जंगलों का रखरखाव करती हैं। यह लगभग 1927 के आसपास बनीं। जड़धार में हाल ही में 1998 में वन पंचायत बनी। जड़धार में भी वन पंचायत है, इसका जंगल में दखल बढ़ा है, पर इसे हावी नहीं होने दिया है। अब इन्हें नए सिरे से मान्यता मिली है, और सक्रिय हैं। वर्तमान में जड़धार वन पंचायत के सरपंच राजेन्द्र नेगी हैं।

15 दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा श्रीराम एयरपोर्ट रामलला के विराजने से पहले शुरू होगी उड़ान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और वी के सिंह के साथ अयोध्या का दौरा किया और निर्माणाधीन राम मंदिर व एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। अयोध्या का मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 15 दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका लोकार्पण 22 जनवरी को रामलला के नए मंदिर में विराजने के पहले किया जाएगा। इसी के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उड़ान भी शुरू हो जाएंगी।

यह जानकारी शनिवार को एयरपोर्ट के निर्माण कार्य का निरीक्षण और समीक्षा करने के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया तेजी के साथ समयबद्ध तरीके से कम कर रही है। राम मंदिर का लोकार्पण होने से पूर्व अयोध्या को हवाई सेवा से जोड़ दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि कोई भी देशी या विदेशी पर्यटक जब यहां के एयरपोर्ट पर प्रवेश करेगा तो अयोध्या की सांस्कृतिक विशेषता और क्षमता का एहसास करेगा।

उन्होंने कहा कि अभी पहले चरण के काम को पूरा किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण के काम की स्वीकृति कैबिनेट से ली जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि अयोध्या अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर चमकते सितारे की तरह जगमगाए। इसी दिशा में केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, ज्योतिरादित्य सिंधिया व वीके सिंह ने निर्माणाधीन राम मंदिर को भी देखा और हनुमान गढ़ी व रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाई।

सड़क हादसों में पिता–पुत्र समेत तीन की मौत, परिवार वालों का रो–रोकर बुरा हाल

गोरखपुर। गीडा क्षेत्र के सेक्टर 15 में कट के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सहजनवां थाना क्षेत्र के महराबारी निवासी सुभाष यादव (40) के रूप में हुई।

सुभाष यादव गीडा सेक्टर 15 स्थित आईजीएल में नौकरी करते थे।गोरखपुर जिले में दो अलग–अलग सड़क हादसों में शुक्रवार को पिता–पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सभी शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता–पुत्र की मौत के बाद घर में चीख–पुकार मच गई।

चिल्लूपार प्रतिनिधि के मुताबिक, बड़हलगंज के सीधेगौर गांव निवासी जहीर अहमद (44) शुक्रवार की सुबह 7.45 बजे 14 वर्षीय पुत्र सलमान को बाइक से बड़हलगंज छोड़ने जा रहे थे। सलमान सिकरीगंज स्थित मदरसे में पढ़ता था। जहीर उसके लिए बड़हलगंज में कपड़ा खरीद कर उसे सिकरीगंज जाने के लिए वाहन में बैठाने आ रहे थे कि इसी बीच राम–जानकी मार्ग पर पिड़हहनी के पास बाइक फिसलने से दोनों सड़क पर गिर गए। दोनों के सिर में गंभीर चोट लगी और मौके पर ही दोनों की मौत हो गई।जहीर के भतीजे असलम खान ने पुलिस को सूचना दी। जहीर मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनके परिवार में अब सिर्फ पत्नी व 12 वर्षीय छोटा पुत्र अरबाज हैं।

गीडा प्रतिनिधि के मुताबिक, क्षेत्र के सेक्टर 15 में कट के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सहजनवां थाना क्षेत्र के महराबारी निवासी सुभाष यादव (40) के रूप में हुई।

सुभाष यादव गीडा सेक्टर 15 स्थित आईजीएल में नौकरी करते थे। बुधवार की रात काम खत्म होने के बाद वह बाइक से घर के लिए निकले थे। गीडा सेक्टर 15 में कट से थोड़ा आगे सहजनवां के तरफ बढ़े थे कि तेज रफ्तार वाहन ने कुचल दिया था।

दुर्घटना में घायल महिला की जान गई

गगहा क्षेत्र के कुदरिहा निवासी रामचंद्र राजभर की पत्नी रीता (40) की बृहस्पतिवार को मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। पति की तहरीर पर गगहा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ शुक्रवार को केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, कुदरिहा निवासी रामचंद्र पत्नी के साथ बुधवार को दिन में दो बजे कौड़ीराम स्थित बलुआ मंदिर के पास स्थित एक समूह चलाने वाले बैंक से रुपये निकालने पैदल जा रहे थे। इसी बीच सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी जिससे रीता घायल हो गईं। उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़ीराम पर ले जाया गया, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बृहस्पतिवार की शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

रेलवे के कलपुर्जों का हब बनेगा गोरखपुर

गीडा के स्थापना दिवस कार्यक्रम अंतर्गत वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआइसी) के प्रबंधक ने कहा कि आने वाले समय में गोरखपुर रेलवे के कलपुर्जे निर्माण का हब बनेगा। उन्होंने सभी उद्यमियों से अपील की कि वे वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम 2023 का पूरा लाभ उठाएं और गोरखपुर के औद्योगिक विकास में मदद करें।

संवाददाता, गोरखपुर। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड के प्रबंधक विक्रम प्रताप सिंह ने कहा कि आने वाले समय में गोरखपुर रेलवे के कलपुर्जे निर्माण का हब बनेगा। गीडा की 25 से 30 यूनिट में ऐसे कलपुर्जों, सामानों का निर्माण हो रहा है जिसका प्रयोग रेलवे विशेषकर पूर्वोत्तर (एनई) रेलवे प्रशासन कर सकता है। इन कलपुर्जों के लिए पूर्वोत्तर रेलवे को भी कोलकाता समेत दूसरे शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है।

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआइसी) के प्रबंधक गीडा के स्थापना दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को एनएसआइसी की ओर से आयोजित वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम में उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों की भूमिका पर चर्चा करते हुए उद्योगों को प्रभावशाली एवं क्रियाशील बनाने में भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की उपयोगिता की जानकारी दी।

उन्होंने सभी उद्यमियों से अपील की कि वे वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम 2023 का पूरा लाभ उठाएं और गोरखपुर के औद्योगिक विकास में मदद करें। उधर एनई रेलवे के अधिकारियों ने भी गीडा के उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए आश्वस्त किया कि रेलवे यहां से उत्पादों की खरीद करेगा। इसके लिए जल्द ही एक बड़ी प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें रेलवे की जरूरत के उत्पादों को रेलवे में कैसे आपूर्ति की जाए, उस पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। एनई रेलवे के उप मुख्य सामग्री प्रबंधक कार्तिक सक्सेना ने प्रजेंटेशन के माध्यम से रेलवे की

ओर से स्टोर के लिए खरीदे जाने वाले उत्पादों की जानकारी दी। उन्होंने गोरखपुर के उद्यमियों से अपील की कि वे रेलवे के बहुत सारे कलपुर्जे यही निर्मित कर गोरखपुर एवं आसपास के लोगों के लिए रोजगार का सृजन करें। ट्रेड शो में रेलवे की ओर से उत्पादों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसे उद्यमियों ने देखा और जानकारी प्राप्त की।

हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के अंजन गुप्ता ने एचयूआरएल की खरीदारी और निविदा प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

आरएन सिंह ने उद्यमियों से अनुरोध किया कि भारत सरकार की औद्योगिक योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। कार्यक्रम के दौरान करीब तीन सौ उद्यमी तथा भारत सरकार के विभिन्न विभाग के अधिकारी और चेंबर आफ इंडस्ट्रीज के पदाधिकारी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गीडा की सीईओ अनुज मलिक और धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त आयुक्त उद्योग हरीश प्रताप सिंह ने किया ।

उद्यमियों के लिए ट्रेड शो बड़ा मौका: कारीवाल

लघु उद्योग भारती के मण्डल अध्यक्ष दीपक कारीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से गोरखपुर में पहली बार प्रदेश स्तर का 4 दिवसीय ट्रेड फेयर का सफल आयोजन किया गया, जो उद्यमियों के लिए एक बहुत बड़ा मौका है। उन्होंने लघु उद्योग भारती के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 1994 में स्थापित लघु उद्योग भारती सूक्ष्म व लघु उद्योगों की सेवा में समर्पित राष्ट्रीय स्तर का एक मात्र संगठन है। पूरे देश में 486 जिलों में 713 इकाइयां कार्यरत हैं।

युवा उद्यमी को मिला एक हजार शर्ट का आर्डर

रेडीमेड गारमेंट से जुड़े युवा उद्यमी अखिलेश दुबे के स्टाल पर शुक्रवार को कई लोग पहुंचे। इस दौरान एक स्कूल समेत कुछ अन्य व्यापारियों की तरफ से उन्हें एक हजार शर्ट का आर्डर भी दिया गया। अखिलेश की यूनिट रामजानकी नगर में है। अब वह गीडा में भी अपनी यूनिट लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने भूखंड भी आवंटित करा लिया है।

शाइन सिटी के एमडी राशिद नसीम के करीबी एजेंट अभिषेक सिंह को ईडी ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक शाइन सिटी कंपनी में एजेंट का काम करने वाला सीतापुर के कमलापुर कस्बे का रहने वाला अभिषेक लगातार राशिद नसीम के संपर्क में था। वह राशिद की संपत्तियों को ठिकाने भी लगा रहा था। शाइन सिटी घोटाले के मास्टरमाइंड राशिद नसीम के करीबी सीतापुर निवासी अभिषेक सिंह को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। उसे शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां छह दिन की कस्टडी रिमांड मिलने पर उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में पहले गिरफ्तार की गयी हरदोई निवासी एजेंट शशिबाला की रिमांड अवधि 5 दिसंबर तक बढ़ा दी गयी है।

ईडी के अधिकारियों के मुताबिक शाइन सिटी कंपनी में एजेंट का काम करने वाला सीतापुर के कमलापुर कस्बे का रहने वाला अभिषेक लगातार राशिद नसीम के संपर्क में था। वह राशिद की संपत्तियों को ठिकाने भी लगा रहा था। इसके लिए वह तमाम खरीदारों के संपर्क में था। ईडी की जांच में सामने आया कि वह राशिद नसीम की काली कमाई को कई कंपनियों में निवेश भी कर रहा था। बता दें कि ईडी ने शाइन सिटी मामले में बीती 24 नवंबर को एजेंटों के ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान शशिबाला को हरदोई से गिरफ्तार किया गया था। वह भी राशिद नसीम के संपर्क में थी और उसकी ईडी द्वारा जब्त संपत्तियों को धोखे से लोगों को बेच रही थी। जांच में एक दूसरे एजेंट अभिषेक सिंह के बारे में भी पता चला, जिसके बाद उसे पूछताछ के लिए राजधानी स्थित ईडी के जोनल मुख्यालय बुलाया गया था। पूछताछ में सहयोग नहीं करने और आरोपों की पुष्टि होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

जिला कोआपरेटिव बैंक का छह करोड़ हड़पने वालों पर चार्जशीट

वहीं दूसरी ओर ईडी ने फतेहपुर स्थित किशनपुर के जिला कोऑपरेटिव बैंक का छह करोड़ रुपये हड़पने वाले आरोपियों के खिलाफ राजधानी स्थित ईडी की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। ईडी ने यह आरोप पत्र भोला सिंह, ललिता देवी, भगवानदीन यादव, जयशंकर प्रसाद, उर्मिला देवी, रमेश कुमार और गुलाब कली के खिलाफ दाखिल किया है। यह घोटाला वर्ष 2005 से 2010 के बीच अंजाम दिया गया था। बैंककर्मियों की मिलीभगत से कुछ खाताधारकों की रकम को संदिग्ध खातों में भेजकर उसकी बंदरबांट कर ली गयी थी। इसके बाद इस रकम से संपत्तियां खरीदी गयी। ईडी ने पिछले वर्ष आरोपियों की 34.52 लाख रुपये की संपत्तियों को जब्त भी किया था।

कानपुर। कानपुर के सेन पश्चिम पारा में चार नवंबर को कार से कुचलकर हुई शिक्षक की मौत के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर चार लाख की सुपारी देकर शिक्षक पति की हत्या कराई थी। प्रेमी ने ममेरे भाई और उसके साथी को सुपारी दिलाई थी। सड़क हादसा दिखाने के लिए कार से कुचल दिया। पत्नी, आर्किटेक्ट इंजीनियर प्रेमी और उसका ममेरा भाई गिरफ्तार हो गया है। कानपुर के चकेरी के कोयलानगर निवासी शिक्षक राजेश गौतम (41) की सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र में कार से कुचलकर हुई मौत का खुलासा हो गया है। उनकी पत्नी उर्मिला उर्फ पिंकी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर प्रेमी के भाई व एक कार चालक को चार लाख की सुपारी देकर हत्या कराई थी। हत्या को हादसा दिखाने के लिए मॉर्निंग वॉक पर गए राजेश को कार से कुचलवाया था। पुलिस ने उर्मिला, उसके प्रेमी शैलेंद्र सोनकर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है।

एडीसीपी दक्षिण अंकिता शर्मा ने प्रेसवार्ता कर बताया कि सरसौल ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल में शिक्षक राजेश की पत्नी उर्मिला उर्फ पिंकी के कल्याणपुर थानाक्षेत्र के जगतपुरी पुराना शिवली रोड निवासी शैलेंद्र सोनकर से प्रेम–प्रसंग चल रहा था। इसकी जानकारी राजेश को हो गई थी और दोनों में विवाद होता था।

इसी को देखते हुए पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची। तय हुआ कि पति को मॉर्निंग वॉक पर जाते समय गाड़ी से कुचलकर मार देंगे। इसी के तहत चार नवंबर को मॉर्निंग वॉक पर निकले राजेश को कार से कुचलवा दिया गया।

25 दिन की आंखमिचौली के बाद आखिरकार पुलिस ने आरोपियों पिंकी, शैलेंद्र सोनकर और उसके ममेरे भाई विकास सोनकर को कोयलानगर स्थित गणेशपुर चौराहा के पास से गिरफ्तार कर लिया। हत्या में इस्तेमाल वैगनआर कार को भी बरामद कर लिया। हालांकि कार चालक सुमित कठेरिया अभी फरार है।

हत्या के बाद गाड़ी के पोल से टकराने के बाद बदल ग कहानी

राजेश की हत्या के समय तक सबकुछ साजिश के मुताबिक चल रहा था, लेकिन उन्हें कुचलने के बाद आरोपियों की ईको स्पोर्ट्स कार बिजली के खंभे से टकरा गई और उसका टायर फट गया। यहीं से पूरी कहानी बदल गई और आनन–फानन सुमित कठेरिया को पीछे चल रही वैगनआर कार में बैठकर साथी विकास सोनकर के साथ फरार होना पड़ा। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद से ही पुलिस को इनकी तलाश थी।

नवोदय विद्यालय ग्रुप से शुरू हुई थी प्रेम कहानी

चार नवंबर को सामान्य से दिख रहे सड़क हादसे में राजेश की हत्या का पूरा घटनाक्रम बेहद चौंकाने वाला है। साल 2021 में राजेश गौतम ने देहली सुजानपुर में घर बनवाने के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय के अपने बैच के दोस्तों के ग्रुप में आर्किटेक्ट व ठेकेदार के लिए मैसेज डाला।

उस समय तक ठेकेदारी कर रहे बैचमेट हेमंत सोनकर ने संपर्क किया और आर्किटेक्ट के तौर पर रिश्तेदार शैलेंद्र सोनकर का परिचय कराया। बात होने के बाद शैलेंद्र ने नक्शा तैयार किया और मकान बनाने का काम हेमंत करने लगा। इस बीच हेमंत का पीएसी में सिपाही पद पर सेलेक्शन हो गया, तो उसने काम पूरा करने के लिए शैलेंद्र को कहा।

यहीं से शैलेंद्र की राजेश के घर पर एंट्री शुरू हुई और धीरे–धीरे राजेश की पत्नी पिंकी से नजदीकियां बढ़ गईं। खास बात यह है कि इसी ग्रुप में पिंकी ने पति की मौत की सुनवाई न होने और मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद जिले से लेकर प्रदेश तक में कार्यरत कई आईएएस, आईपीएस, पीपीएस सक्रिय हुए और पुलिस ने जांच में तेजी दिखाई।

पत्नी की साजिश... गालियों, पिटा के निशानों को लपकी ने बना लिया हथियार

जांच में यह बात सामने आई थी कि अवैध संबंध की बात सामने आने के बाद राजेश कई बार गुस्से में पिंकी से गालीगलौज व मारपीट करता था। पिंकी ने शरीर पर बने घाव के निशानों को ही हथियार बना लिया और आर्किटेक्ट इंजीनियर प्रेमी शैलेंद्र सोनकर को अपने ही पति की हत्या के लिए मना लिया। साथ ही राजेश के मरने पर करोड़ों की संपत्तियां मिलने का भी लालच दिया।

पिंकी की बातों में आकर छह महीने पहले शैलेंद्र ने ममेरे भाई विकास सोनकर के जरिये आवास विकास–3 निवासी ड्राइवर सुमित कठेरिया उर्फ गोलू से संपर्क किया। चार लाख रुपये में ट्रक से एक्सीडेंट कराकर मारने का प्लान बना और पिंकी ने जेवर बेचकर व गिरवी रखकर सुपारी की रकम भी अदा कर दी, लेकिन जब चार महीने बाद भी काम नहीं हुआ तो दबाव में आकर सुमित ने खुद ही काम को अंजाम देने की ठान ली। चार नवंबर को राजेश को टक्कर मारकर मार डाला।

पुलिस की जांच ... भतीजे की दी सीसीटीवी फुटेज से मिली जांच को दिशा

एमईएस चकेरी में कार्यरत राजेश के भाई ब्रह्मदीन गौतम और इंडियन नेवी में काम करने वाले उनके बेटे कुलदीप ने इस केस की पैरवी शुरू की तो पिंकी ने कुलदीप के खिलाफ ही चाचा राजेश की हत्या करने की तहरीर दे दी। वहीं कुलदीप ने खुद जांच पड़ताल कर पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज सौंपा, जिसमें कुचलने के बाद कार अनियंत्रित होकर खंभे से टकराती और चालक पीछे आ रही दूसरी कार से भागता दिखा। इसी के बाद सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी पवन कुमार ने जांच शुरू की तो टक्कर मारने वाली ईको स्पोर्ट्स कार कल्याणपुर की निकली। वहीं, हादसे के बाद आरोपी जिस वैगनआर कार से फरार हुए, उसमें लगा नंबर लोडर का निकला।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने गिनाईं योगी सरकार की नाकामियां बोले– हर मोर्चे पर सरकार विफल

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि योगी सरकार प्रदेश में हर मोर्चे पर विफल है। उन्होंने अलग–अलग मोर्चे पर सरकार की नाकामियां गिनाईं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रेसवार्ता में कहा कि प्रदेश की योगी सरकार हर मोर्चे में विफल है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, किसान, अपराध, विकास और युवाओं के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को घेरा। अजय राय ने कहा कि जिस सरकार में उन्हीं की पार्टी के सांसद के बेटे को इलाज नहीं मिला। वह पीजीआई में भर्ती नहीं हुए और निधन हो गया। कहीं मजबूर अपनी बहन का शव बांधकर ले गया तो कहीं अस्पताल में बच्चों के शव को कुत्ते नोच रहे हैं। सरकार, सदन में तो बड़े बड़े आंकड़े देती है लेकिन उसकी सच्चाई अलग है। अपराध के मामले बढ़े हैं। किसान बदहाल हैं। गन्ना का नया सत्र शुरू हो गया और अब तक पिछला 4000 करोड़ का बकाया भुगतान नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर में डाक्टर और कौशांबी में युवक की हत्या हुई। प्रमुख सचिव गृह ने खुद माना की कई जिलों में अपराध बढ़े हैं। भाजपा कहती हैं कि माफिया, गुंडे भाग गए। सच्चाई यह है कि माफिया या तो भाजपा में चल गए या उनके संरक्षण में काम कर रहे हैं। यह सरकार झूठे वादे और झूठे आंकड़े सदन में रख रही है। उन्होंने 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाया। पार्टी विधायक वीरेंद्र चौधरी ने सदन में नियमावली के पालन न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि नियम के अनुसार कम से कम दस दिन सदन चलना चाहिए। पार्टी इसकी मांग भी करती है। उन्होंने देश और प्रदेश में जातीय जनगणना की मांग भी उठाई।

कैदियों के लिए निर्धारित नए मानदेय के आदेश को चुनौती, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

प्रयागराज। सरकार के नए आदेश के तहत कुशल, अर्धकुशल और अकुशल कैदियों को नया मानदेय निर्धारित करते हुए क्रमशः 40, 30 और 25 रुपये से बढ़ाकर 81, 60 और 50 रुपये कर दिया गया है। जनहित याचिका में इसे न्यूनतम न मानते हुए रद्द करने की मांग की गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जेलों में बंद कैदियों के लिए हाल ही में निर्धारित किए गए नए मानदेय को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। हाईकोर्ट ने कैदियों के मानदेय में संशोधन नहीं करने के राज्य अधिकारियों के रवैये पर नाराजगी जताई थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने नया मानदेय निर्धारित किया था।

सरकार के नए आदेश के तहत कुशल, अर्धकुशल और अकुशल कैदियों को नया मानदेय निर्धारित करते हुए क्रमशः 40, 30 और 25 रुपये से बढ़ाकर 81, 60 और 50 रुपये कर दिया गया है।

जनहित याचिका में इसे न्यूनतम न मानते हुए रद्द करने की मांग की गई है। यूपी सरकार की ओर से जारी आदेश को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि निर्धारित किया गया नया मानदेय कम है। याचिका दाखिल करने वाले अधिवक्ता औशिम लूथरा और अथर्व दीक्षित कैदियों के मानदेय बढ़ाने के मामले में पूर्व में दाखिल जनहित याचिका में न्यायमित्र नियुक्त किए गए थे। याचिका में कहा गया है कि कैदियों को पारिश्रमिक के रूप में दिए जाने वाले मानदेय के लिए मुआवजा नियम–2005 को आधार बनाया गया है। इसके अनुसार कैदियों द्वारा अर्जित पारिश्रमिक से 15 फीसदी राशि काट ली जा रही थी और पीड़ितों को भुगतान के लिए बैंक खातों में जमा की जा रही थी।

यह आरोप लगाया भी गया है कि यह राशि न तो पीड़ितों को दी जा रही है और न ही कैदियों को वापस की जा रही है। याचिका में गुजरात राज्य बनाम गुजरात उच्च न्यायालय के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी हवाला दिया गया है, जिसमें यह माना गया है कि कैदी न्यूनतम वेतन अधिनियम के दायरे से बाहर थे। क्योंकि, कैदियों और राज्य के बीच नियोक्ता और कर्मचारी का संबंध नहीं है।

यह भी कहा गया है कि बदलते समय के साथ जेलों में बनने वाले उत्पादों से राज्य को फायदा होने लगा है। ऐसे उत्पाद खुले बाजार में बेचे जा रहे हैं और ऐसी बिक्री से प्राप्त आय से राज्य को लाभ हो रहा है। इस तरह से ऐसे मामलों में कर्मचारी–नियोक्ता संबंध स्थापित भी हो रहा है। इसी मुद्दे में एक याचिका (बंदी अधिकार आंदोलन बिहार बनाम भारत संघ व अन्य) सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। दूसरे राज्यों में नए संशोधित वेतन नीतियां भी बनाई गईं हैं, जो कैदियों को लाभ पहुंचाने वाली हैं। लिहाजा, यूपी सरकार के मौजूदा आदेश को रद्द कर न्यूनतम वेतन अधिनियम के अनुसार मानदेय तय करने का निर्देश दिया जाए।

लखनऊ तक पहुंचा नौ महिलाओं की हत्या का मामला सीएम योगी ने दिए खुलासा करने के निर्देश

बरेली। मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने शुक्रवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलकर अपने क्षेत्र में हुईं नौ महिलाओं की हत्या का मुद्दा उठाया। विधायक के मुताबिक सीएम ने जिले के पुलिस अफसरों को जल्द खुलासा करने का निर्देश दिया है। बरेली के मीरगंज क्षेत्र में सिलसिलेवार नौ महिलाओं की हत्या के बाद पुलिस पर खुलासे का दबाव है। कातिल खुलेआम घूम रहा है। पुलिस बैरियर व कैमरे लगाने में उलझी हुई है। पुलिस का सर्विलांस व मुखबिर तंत्र नाकाम हो रहा है। अफसर रोज दौड़ लगा रहे हैं पर अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। उधर, मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने शुक्रवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलकर अपने क्षेत्र में हुईं नौ महिलाओं की हत्या का मुद्दा उठाया। विधायक के मुताबिक सीएम ने जिले के अफसरों को जल्द खुलासे का निर्देश दिया है।

विधायक ने बताया कि वह शुक्रवार को लखनऊ में सीएम योगी से मिले। उन्हें बताया कि उनके क्षेत्र में पांच महीने में नौ महिलाओं की मौत हो चुकी है। इस मामले में त्वरित खुलासे कराए जाएं। सीएम ने उन्हें बताया कि इस बारे में संबंधित पुलिस अधिकारियों को उन्होंने निर्देशित किया है। विधायक के मुताबिक उन्होंने प्रभावित परिवारों को आर्थिक मदद देने की मांग भी सीएम से की। सीएम ने इसे ध्यानपूर्वक सुना। उन्हें लगता है कि उनकी इस मांग पर विचार किया जा रहा है।

एसएसपी बोले– तीन घटनाओं का खुलासा बाकी

एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने बताया कि अभी तक जो नौ हत्याएं हुई हैं, उनमें तीन का खुलासा हो चुका है। तीन महिलाओं का विसरा सुरक्षित किया गया है, उसमें अभी हत्या की पुष्टि नहीं हुई है। बाकी तीन घटनाओं की विवेचना चल रही है। इलाके में महिला अफसरों को भी लगाकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। ड्रोन कैमरे से निगरानी की जा रही है।

50 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ

शीशगढ़ थाना प्रभारी के मुताबिक क्षेत्र में हुई महमूदन और उर्मिला की हत्याओं के खुलासे के लिए टीमें 50 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ कर चुकी हैं। इसके बाद भी वे अब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी हैं। शाही पुलिस ने मिर्जापुर चौराहे, सेवा ज्वालापुर तथा हल्दी कला आदि गांवों में बैरियर लगाए हैं। यहां से निकलने वाले हर संदिग्ध की जांच की जा रही है पर अब तक नाकामी ही उनके हाथ लगी है। एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा भी क्षेत्र में कैंप कर रहे हैं। शुक्रवार शाम को पहुंचे एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने अब तक की प्रगति का ब्योरा तलब किया। उन्होंने संदिग्धों से पूछताछ भी की। बाइक सवार पुलिसकर्मी भी क्षेत्र में घूम रहे हैं।

बरेली व बहेड़ी की सीमा तक लगेंगे कैमरे

एसपी देहात मुकेश मिश्रा ने बताया कि रोज 50 सीसीटीवी कैमरे लगाने का लक्ष्य है। शाही, शीशगढ़ से लेकर बरेली व बहेड़ी की सीमा तक सीटीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। ऑपरेशन दृष्टि के तहत जिले में 8,500 कैमरे लगाए जा चुके हैं। एसपी देहात ने बताया कि शाही, शीशगढ़, फतेहगंज पश्चिमी, देवरनिया व शेरगढ़ थानों में 36 दरोगा व 116 सिपाहियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है।

एक ही माल में छह स्पा सेंटर, सब में चल रहा था गंदा धंधा, पुलिस देखते ही आपत्तिजनक हालत में भागने लगे 21 लड़के और 44 लड़कियां

गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के आदित्य माल में शुक्रवार रात को पुलिस ने स्पा की आड़ में देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में सबसे हैरानी वाली बात ये है कि एक ही माल में छह स्पा सेंटर चल रहे हैं और हर सेंटर में देह व्यापार का गंदा धंधा चल रहा था और पुलिस को इसकी कानोकान खबर तक नहीं हुई।

संवाददाता, साहिबाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के आदित्य मॉल में शुक्रवार रात को पुलिस ने स्पा की आड़ में देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से 44 युवतियों और 21 युवकों को पकड़ा है।

एक ही मश्वल के छह स्पा सेंटर में गंदा धंधा और पुलिस अंजान

इस मामले में सबसे हैरानी वाली बात ये है कि एक ही मॉल में छह स्पा सेंटर चल रहे हैं और हर सेंटर में देह व्यापार का गंदा धंधा चल रहा था और पुलिस को इसकी कानोकान खबर तक नहीं हुई। बीते काफी समय से स्पा सेंटरों में देह व्यापार चल रहा था लेकिन पुलिस को इसकी सूचना एक गोपनीय शिकायत के रूप में मिली। जब पुलिस ने इस शिकायत पर कार्रवाई की तो सूचना भी सही मिली। वहां पहुंच पुलिस ने जो नजारा देखा उससे उनके होश उड़ गए।

मौके से मिले आपत्तिजनक सामान

मौके से आपत्तिजनक सामान, मोबाइल, रजिस्टर समेत अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने स्पा के मालिक और प्रबंधक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस को देखते ही आपत्तिजनक हाल में भागने लगे लड़के–लड़कियां

शुक्रवार रात को सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम आदित्य माल पहुंची और स्पा सेंटरों पर छापा मारा। पुलिस को देखकर मौके पर अफरा–तफरी मच गई। युवक और युवतियां आपत्तिजनक हालत में मिले। पुलिस को देखते ही सब भागने लगे लेकिन सभी को मौके पर ही रोक लिया गया।

स्थानीय पुलिस को नहल लगी भनक

आदित्य मॉल में एक साथ छह स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का धंधा लंबे समय से चल रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बेधड़क अवैध रूप से देह व्यापार हो रहा था। इसी भनक चौकी और थाना पुलिस को नहीं लगी। अधिकारियों से इसकी शिकायत हुई तो यहां पर कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों को इसकी जांच कराई चाहिए। मिलीभगत मिलने पर कार्रवाई होने चाहिए।

एनसीआर के हैं पकड़े गए लोग

पुलिस की जांच में आया है कि पकड़े गए लोगों में नौकरी पेशा और इंजीनियर भी शामिल हैं। इनमें इंदिरापुरम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, दिल्ली के रहने वाले हैं। स्पा के प्रबंधक एक से दो हजार रुपये ग्राहकों से लेते थे। उसके बदले चंद रुपये युवतियों और महिलाओं को देते थे। बाकी खुद रख लेते थे। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है।पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन ने बताया कि फरार मालिकों की तलाश की जा रही है।

पूर्व में हुई कार्रवा

10 जुलाई को इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के राजहंस प्लाजा में न्यू रिलेक्श प्वाइंट स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का भंडाफोड़। 14 जून को इंदिरापुरम पुलिस ने जयपुरिया माल के शापिंग काम्पलेक्स में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का पर्दाफाश किया। 24 मई को लिंक रोड थाना क्षेत्र के पैसेफिक माल में आठ स्पा की आड़ में देह व्यापार का भंड़ाफोड़ कर पुलिस ने 60 युवतियां और 39 युवकों को गिरफ्तार किया था।

बीजेपी नेता का मर्डर

बेवफा बीवी ने पति को ऐसे मारा, फिर प्रेमी और खुद को बचाने के लिए ननद के घर जाकर किया ये काम

कानपुर। कानपुर में बीजेपी के बूथ अध्यक्ष मुकेश नारंग की संदिग्ध मौत मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बीजेपी के बूथ अध्यक्ष ने सुसाइड नहीं किया था, बल्कि चाय में जहर देकर हत्या की गई थी। पुलिस ने बीजेपी नेता की पत्नी और कौशांबी निवासी उसके प्रेमी को हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ जारी है। पुलिस मामले का जल्द खुलासा कर सकती है।

कानपुर के गोविंदनगर निवासी बीजेपी के बूथ अध्यक्ष मुकेश नारंग की मौत के मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। मुकेश नारंग ने सुसाइड नहीं किया था। उन्हें चाय में जहर देकर मौत के घाट उतारा गया था। पुलिस ने मामले में पत्नी और कौशांबी निवासी उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है। पुलिस मामले का जल्द ही खुलासा करेगी। बीते 25 नवंबर की रात रात मुकेश नारंग (40) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। उनके शव के पास सल्फास की खाली शीशी मिली थी। घटना के वक्त उनकी पत्नी दिव्या अपने बेटे के साथ घर के सामने रहने वाली बीजेपी नेता की बहन के घर गई थी।

बीजेपी नेता की बहन का तर्क था कि रात करीब 10 बजे भाभी दिव्या बच्चे के साथ उनके घर पहुंची थी। उस दौरान दिव्या ने मुकेश के दोस्त आने की बात बताकर यहां रुकने की बात कही थी। देर रात करीब तीन बजे दिव्या मुकेश के भांजे के साथ घर पहुंची तो मुकेश बेड के नीचे अचेत अवस्था में पड़े मिले थे।

सूचना फॉरेंसिक टीम संग मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर साक्ष्य एकत्रित की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अल्कोहल मिला था। वहीं जहरीला पदार्थ खाने की आशंका के चलते बिसरा सुरक्षित रखा गया था। मामले की जांच में जुटी पुलिस पत्नी, बहन के परिवार के अलावा एक सरकारी कर्मचारी को संदिग्ध मानते हुए जांच कर रही थी।

इस बीच पुलिस ने जब मुकेश की पत्नी दिव्या की कॉल डिटेल खंगाली तो कौशांबी निवासी संजय कुमार से अक्सर दिव्या की बात होने की बात सामने आई। जिसके बाद पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ में पता चला कि दिव्या ने ही साजिश के तहत मुकेश को चाय में जहर पिला दिया। इसके बाद दोस्त के आने का बहाना बना मुकेश की बहन के घर चली गई थी। पुलिस मुकेश की पत्नी को भी हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जा सकता है।

योगी सरकार ने गिनाईं खूबियां

विपक्ष ने बजट पर उठाए सवाल, जातीय जनगणना पर मचा हंगामा

यूपी विधानसभा में अनुपूरक बजट को लेकर खूब हंगामा हुआ। बजट पर सामान्य चर्चा में सत्ता पक्ष ने खूबियां गिनाईं तो विपक्ष हमलावर रहा। नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य बोले कि हमने तीव्र विकास किया है। सरकार का लक्ष्य है कि बजट की अधिक से अधिक राशि को विकास कार्यों में खर्च किया जाए। वहीं सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार जातीय जनगणना से कतरा रही है।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उच्च सदन में शुक्रवार को दूसरे दिन भी अनुपूरक बजट पर सामान्य चर्चा में सत्ता पक्ष ने खूबियां गिनाईं तो विपक्ष हमलावर रहा। नेता सदन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमने तीव्र विकास किया है। बुंदेलखंड में हर घर नल, हर घर जल योजना के माध्यम से पानी की समस्या को दूर किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि बजट की अधिक से अधिक राशि को विकास कार्यों में खर्च किया जाए।

जातीय जनगणना पर मचा हंगामा

सपा के मान सिंह यादव ने बजट की आलोचना करते हुए कहा, वित्तविहीन शिक्षकों के लिए सरकार ने कोई प्रावधान नहीं किया है। सपा के आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भाजपा सरकार आउटसोर्सिंग की सरकार है। सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार जातीय जनगणना से कतरा रही है।

नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के निर्माण का बजट

नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा ने कहा कि यह बजट नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के निर्माण का बजट है। सत्ता पक्ष के विद्यासागर सोनकर, अश्विनी त्यागी, प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि बजट में गोरखपुर में सर्वप्रथम एनसीसी एकेडमी बनाने का प्रविधान भी किया गया है।

गोविन्द नारायण शुक्ल, सुरेन्द्र चौधरी, रजनीकान्त माहेश्वरी, निर्मला पासवान, बाबू लाल तिवारी, अशोक कटारिया, ऋषिपाल सिंह, विजय बहादुर पाठक व अन्य ने भी बजट की खूबियां गिनाईं। कहा कि बजट में शौचालय निर्माण, गो–आश्रय स्थलों के निर्माण व गन्ना किसानों के लिए महत्वपूर्ण प्रविधान किया गया है। सड़कों के चौड़ीकरण व नवीनीकरण की भी समुचित व्यवस्था की गई है। विधान परिषद में गुरुवार को भी बजट पर चर्चा हुई थी।

सीएम योगी का सरकार को बड़ा तोहफा 1953 गरीबों को दी गई 607 हेक्टेयर कृषि भूमि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। विधान परिषद में शुक्रवार को सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में गरीबों को आवंटित की गई कृषि भूमि व कुम्हारी कला के प्रोत्साहन के लिए प्रदान की गई भूमि का आंकड़ा प्रस्तुत किया। बसपा सदस्य भीमराव अंबेडकर के भूमिहीन परिवारों को प्रदान की गई जमीन को लेकर पूछे गए प्रश्न पर नेता सदन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर दिया।

1827 आवंटियों को दी गई 358 भूमि

बताया कि वर्ष 2023–24 में कृषि भूमि आवंटन के वार्षिक लक्ष्य 460 हेक्टेयर की तुलना में अक्टूबर 2023 तक 1953 आवंटियों को 607.082 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई। ऐसे ही मत्स्य पालन के लिए भूमि आवंटन के वार्षिक लक्ष्य 2600 हेक्टेयर से अधिक 3369 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई। जबकि कुम्हारी कला के प्रोत्साहन के लिए भूमि आवंटन के वार्षिक लक्ष्य 1350 हेक्टेयर की तुलना में 1827 आवंटियों को 1358 स्थल भूमि आवंटित की गई।

ऊर्जा मंत्री से कहा, जब वोट मांगने जाएंगे तब पता चलेगा

विधान परिषद में बसपा सदस्य भीमराव अंबेडकर ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को तीखी प्रतिक्रिया दी। सदन में बसपा सदस्य 69,000 शिक्षक भर्ती के मुद्दे पर अपनी बात रख रहे थे। तभी नेता सदन की भूमिका निभा रहे एके शर्मा ने उन्हें मामला कोर्ट में होने तथा समय का अभाव होने की बात कहकर रोका। इस पर बसपा सदस्य ने कहा कि आप अधिकारी रहे हैं। मैं गरीबों के हित की बात कर रहा हूं। जब आप जनता के बीच वोट मांगने जाएंगे तो नजर नहीं मिला पाएंगे। जनता भी कह देगा कि समय नहीं है।

पहाड़ों पर बर्फबारी से प्रयागराज में जल्द दस्तक देगी ठिठुरन भरी ठंड, आने वाले तीन-चार दिनों तक ऐसा रहेगा मौसम

ठंड अब अपना असर दिखाने लगी है। बारिश होने के बाद से ही लोगों को ठिठुरन महसूस होने लगी है। उधर मौसम विभाग का कहना है कि प्रयागराज में बारिश अरब सागर से आई नम हवाओं के प्रभाव से हुई है। उन्होंने अनुमान जताया है कि अगले तीन से चार दिनों तक मौसम ऐसे ही बना रहेगा।

संवाददाता, प्रयागराज। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर प्रयागराज पर दिखाई देने लगा है। दो दिन पहले हुई बारिश ने ठंड को और बढ़ा दिया। अधिकतम तापमान लुढ़का और धूप का भी साथ नहीं मिला तो ठिठुरन का अहसास होने लगा। ठंड के साथ धुंध छाने के भी आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार अभी ठंड में ज्यादा वृद्धि नहीं होगी और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। अगले तीन से चार दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। हालांकि बदले मौसम से प्रदूषण गायब हो गया।

वायु गुणवत्ता सूचकांक 70 रहा, ऐसे में बादल छाए रहेंगे और कोहरा पड़ने पर एक्यूआइ में कुछ बढ़ोत्तरी हो सकती है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के जलवायुकी एवं समुद्र अध्ययन केंद्र के प्रमुख प्रो. सुनीत द्विवेदी ने बताया कि अभी कोहरे का ज्यादा प्रकोप नहीं पड़ेगा। तापमान में गिरावट आाने पर कोहरा बढ़ेगा। प्रयागराज में बारिश अरब सागर से आईं नम हवाओं के प्रभाव से हुई है पर पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर अब एक दो दिनों में ज्यादा असर दिखाएगा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय भूगोल विभाग के प्रो. एआर सिद्दीकी के अनुसार हिमाचल बर्फबारी तेज हुई है। इसके असर से ठंड में बढ़ोत्तरी हुई है। ठंडी हवाएं जब मैदानी क्षेत्रों की ओर बढ़ेंगी तो प्रयागराज में एक कुछ दिनों में तापमान गिरना शुरू हो जाएगा। शुक्रवार को इसका असर देखने को मिला। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञानियों के अनुसार शुक्रवार को हल्की बारिश हो सकती है। शनिवार को धुंध छाई रहेगी पर ज्यादातर समय आसमान साफ रहेगा।

'मेरी किरकिरी हो गई...

पकड़ौआ शादी का शिकार शिक्षक दूल्हा आया सामने, बोला- इस शादी को नहीं मानूंगा

पातेपुर (वैशाली)। बिहार के वैशाली जिले में पकड़ौआ शादी का शिकार हुआ शिक्षक सामने आ गया है। शिक्षक का कहना है कि यह शादी मेरी मर्जी के खिलाफ हुई है। मैं इसे नहीं मानूंगा। मेरी किरकिरी हो गई है, इमेज खराब कर दी गई है।दरअसल, कोर्ट में बयान दर्ज करने के बाद पीड़ित शिक्षक ने कई और बातें भी मीडिया के साथ साझा की हैं। शिक्षक ने कहा कि जबरन शादी कराने से जुड़े सुबूत उनकी शर्ट पर लिखे हुए हैं।

विवाह के लिए शिक्षक के अपहरण में एक आरोपित को जेल

इधर, पातेपुर थाना क्षेत्र के रेपुरा उत्क्रमित मध्य विद्यालय में नव पदस्थापित बीपीएससी से चयनित शिक्षक के अपहरण मामले के एक आरोपित को पुलिस ने शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है। आरोपित रेपुरा गांव निवासी स्व. लखेंद्र राय का पुत्र वृजभूषण प्रसाद उर्फ भूषण राय है। गत 29 नवंबर को अपहरण का आरोप लगाते हुए पीड़ित शिक्षक के दादा राजेन्द्र राय ने पांच लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी पातेपुर थाना में कराई थी।

जांच के दौरान यह बात सामने आई थी कि शिक्षक का महनार थाना क्षेत्र में पकड़ौआ विवाह करा दिया गया था।

बरामद शिक्षक को पुलिस ने शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर धारा 164 के तहत बयान कराया। पुलिस अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

पीड़ित टीचर ने क्या-क्या कहा ?

पकड़ौआ शादी का शिकार हुए टीचर ने कोर्ट में बयान देने के बाद मीडिया से बात करते हुए कई बातों का खुलासा किया। शिक्षक गौतम कुमार ने कहा कि अपहरणकर्ता मुझे जहां-जहां से ले जा रहे थे, मैं वो सारे नाम अपनी शर्ट पर लिख रहा था। मेरी ज्वाइनिंग होम ब्लॉक और होम डिस्ट्रिक्ट में ही हुई थी। उन्होंने कहा कि मुझे 30 नवंबर को दोपहर में ढाई बजे अपहरणकर्ता दो-तीन गाड़ी से आए और छोड़कर चले गए। उस दौरान मेरे साथ एक लड़की, उसकी मां और भाभी थी। उन्होंने कहा कि छोड़कर जाने वाले करीब 7-8 लोग थे।

कोर्ट में बयान देने को लेकर शिक्षक ने कहा कि जो भी मीडिया को बताया है वही बातें अदालत में भी कही हैं। शिक्षक के साथ ऐसा व्यवहार किए जाने के सवाल पर गौतम ने कहा कि मेरी फोटो वायरल करके.. मेरी एक तरह से किरकिरी हो गई। मेरी इमेज पूरी खराब कर दी। हालांकि, जो हुआ सो आगे देखा जाएगा। शिक्षक से अब क्या चाहते हैं यह सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेरी इच्छा यही है कि मैं ये शादी नहीं करूंगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरा स्कूल उसके घर के पास में ही है। मुझे डर है। धमकी दी जा रही है। रिश्तेदारों के फोन पर धमकी दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि मेरी मर्जी से शादी नहीं हुई है। बंदूक दिखाकर शादी हुई है। इसलिए मैं इसे नहीं मानूंगा। उन्होंने कहा कि बातचीत से ऐसा लगा कि लड़की के भाई भी इस शादी से नाखुश हैं।

क्या है मामला

महेया मालपुर गांव निवासी स्व. सत्येंद्र कुमार राय के पुत्र गौतम कुमार का अपहरण बुधवार को लगभग तीन बजे रेपुरा उत्क्रमित मध्य विद्यालय से कर लिया गया था। अपहरण से आक्रोशित लोगों ने गुरुवार की सुबह से ही स्टेट हाइवे 49 को शिवना चौक पर पांच घंटे से अधिक समय तक जाम कर दिया था। पातेपुर थाना की पुलिस ने 24 घंटे के अंदर अपहृत शिक्षक को सकुशल बरामद कर लिया था। पुलिस ने उस युवती को भी बरामद किया था, जिससे शादी कराई गई थी। फिलहाल, युवती मायके में ही है।

डिवाइडर पर चढ़कर गलत दिशा में पहुंची कार

भयंकर हादसे का हुई शिकार, दो महिलाओं की मौत, पांच घायल

हापुड़ थाना देहात क्षेत्र के एनएच -09 स्थित नए बाईपास पर काली नदी के पास एक अनियंत्रित कार डिवाइडर पर चढ़कर गलत दिशा में पहुंच गई। इस कारण सामने से आ रही दूसरी कार से उसकी भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई। जबकि दोनों वाहनों में सवार पांच लोग घायल हो गए। घायलों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

हापुड़। हापुड़ थाना देहात क्षेत्र के एनएच -09 स्थित नए बाईपास पर काली नदी के पास एक अनियंत्रित कार डिवाइडर पर चढ़कर गलत दिशा में पहुंच गई। इस कारण सामने से आ रही दूसरी कार से उसकी भिड़ंत हो गई।

दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई। जबकि दोनों वाहनों में सवार पांच लोग घायल हो गए। घायलों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

गंगा स्नान के लिए जा रहा था परिवार

पिलखुवा क्षेत्र के गांव बझेड़ा खुर्द के अमित ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 11 बजे वह अपने परिवार के जसवीर, रामकंकनी, सरोज, नीरज व रूमा के साथ कार में सवार होकर गढ़मुक्तेश्वर के ब्रजघाट में गंगा स्नान के लिए जा रहा था।

कार जसवीर चल रहा था। जबकि वह उसके बराबर वाली सीट पर बैठा था। थाना देहात क्षेत्र के एन एच- 09 स्थित नए बाईपास पर काली नदी के पास पहुंचने पर दूसरी दिशा से आ रही अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर उस पर चढ़ गई और उसकी कार के सामने आ गई। जिस कारण दोनों कार की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों कार के परखच्चे उड़ गए।

दुर्घटना में दो की मौत

दुर्घटना में रामकंकनी व सरोज की मौत हो गई। जबकि अमित, जसवीर, नीरज और रूमा घायल हो गई। वहीं, दूसरी कार का चालक भी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस में घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने घायलों की हालत को गंभीर देखते हुए निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। थाना देहात प्रभारी सुमित तोमर ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

कैटरीना कैफ

को पसंद आई पति विक्की की फिल्म सैम बहादुर

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ को अपने पति विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर बेहद पसंद आई है। देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर फिल्म सैम बहादुर बनाई गई है। इस फिल्म में सैम मानेकशॉ का किरदार विक्की कौशल ने निभाया है। सैम बहादुर फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म आज रिलीज हो गयी है।

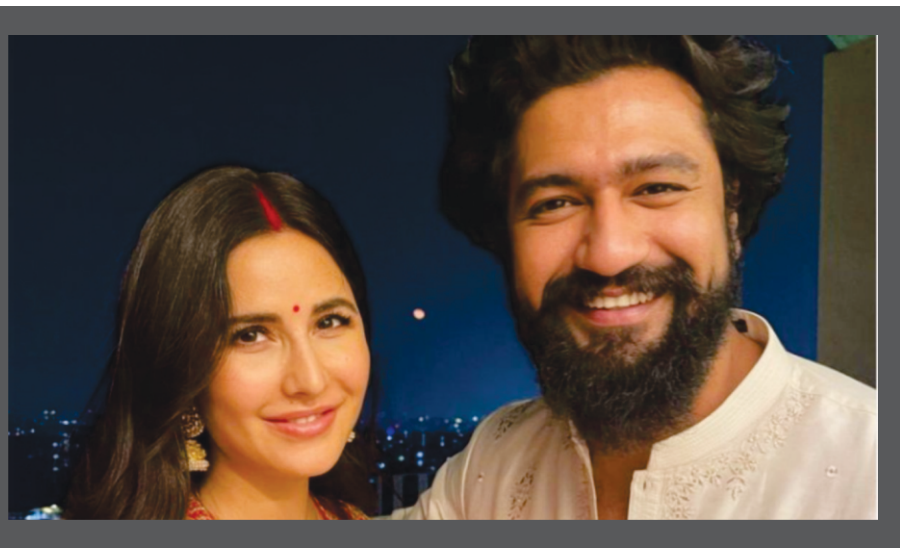

सलमान के साथ ही बनाना चाहता था वांटेड

बोनी कपूर

मुंबई वॉलीवुड फिल्मकार वोनी कपूर का कहना है कि वह फिल्म वांटेड सलमान खान को लेकर ही वनाना चाहते थे। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो, झलक दिखला जा में 'वोनी कपूर स्पेशल' एपिसोड होगा। इसमें वोनी कपूर की प्रतिष्ठित फिल्मों के कुछ चार्ट-टॉपिंग गानों की धुन पर शानदार परफॉर्मेंस के साथ डांस फ्लोर चमक उठेगा। झलक दिखला जा शो में मेहमान के तौर पर पहुंचे वोनी कपूर ने वताया कि कैसे उन्होंने सलमान खान को फिल्म वांटेड करने के लिए राजी किया था। वोनी कपूर ने कहा,फिल्म वांटेड 2009 में रिलीज हुई थी और हमने इसे 2007 में वनाना शुरू किया था। मुझे यकीन था कि इससे फिल्म निर्माण में एक्शन वापस आ जाएगा। क्योंकि उस दौर में सिर्फ रोमांटिक, पारिवारिक ड्रामा ही वन रहे थे और एक्शन कहीं गायव हो गया था। जितना मै समझता हूं, जनता को एक्शन फिल्म से सवसे वड़ी खुशी मिल सकती है। वोनी कपूर ने वताया,जव मैंने फिल्म वांटेड की शुरुआत की, तो मैंने फैसला किया कि मै इसे वनाऊंगा, और इसे केवल सलमान खान के साथ ही वनाने का निर्णय लिया।

संगीता फोगाट

के डांस की तारीफ हुई

मुंबई सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा के मंच पर रेसलर संगीता फ़ोगाट के डांस की जज फराह खान,मलाइका अरोड़ा और फिल्मकार वोनी कपूर ने तारीफ की है। जज फराह खान ने कहा, संगीता और भरत, मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि यह वही लड़की है जिसने पिछले हफ्ते 'हवा हवाई' पर परफॉर्म किया था। पूरी तरह से अलग किरदार में तव्दील होकर, वह पहचानी नहीं जा रही है। मलायका अरोड़ा ने कहा, ''संगीता, भरत, क्या गाना है, क्या परफॉर्मेंस है! विल्कुल 'जलवा', पूरी तरह से 'जलवा' एक्ट जैसा लगता है। वहुत अच्छा। वोनी कपूर ने कहा, संगीता आपने कुश्ती में अद्भुत कौशल दिखाया है लेकिन मैं आपको पहली वार एक डांसर के रूप में देख रहा हूं। खैर, अव मेडल की वात चली है तो मै खुद आपको एक मेडल देना चाहूंगा। आपने कुश्ती से पूरी दुनिया में नाम कमाया है, आज आपने इस मंच पर डांस करके नाम कमाया है।

उम्र बढ़ने के साथ महिलाएं और भी आकर्षक हो जाती हैं

जेनिफर लोपेज

लॉस एंजेल्स मशहूर सुपरस्टार जेनिफर लोपेज का मानना है कि हॉलीवुड में वड़ी उम्र की एक्ट्रेसेस के लिए ऑन-स्क्रीन रोल्स के ऑफर्स वढ़ रहे हैं। वह आने वाले कई सालों तक काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, इसमें वहुत वदलाव आया है और मुझे लगता है कि यह सही है। जैसे-जैसे आपकी उम्र वढ़ती है और आपका एक्सपीरियंस भी वढ़ता जाता है, आप एक अमीर इंसान वन जाते हैं और आपके पास देने के लिए और भी वहुत कुछ होता है। 30 से ज्यादा उम्र की महिला को देखने में किसी की कोई दिलचस्पी नहीं होती है - यह विचार कितना हास्यास्पद है, यह सही के विल्कुल विपरीत है। यह वस मुझे हंसाता है। लोगों ने महसूस किया है कि उम्र वढ़ने के साथ महिलाएं और ज्यादा आकर्षक हो जाती हैं। सुंदर और आकर्षक... न केवल शारीरिक रूप से, वल्कि अंदर से भी। सुंदरता के साथ-साथ आप उम्र वढ़ने के साथ जो हासिल करते हैं, वह है ज्ञान। फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, लोपेज का फिलहाल कोई रिटायरमेंट प्लान नहीं है। वह कई सालों तक अपने काम को जारी रखना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं खुद को काम करते हुए देखना चाहती हूं। मुझे नहीं पता कि किस उम्र तक। यह 70 हो सकती है, 80 भी हो सकती है और 90 भी, मुझे नहीं पता।

फिल्म 'आदुजीविथम' 10 अप्रैल को होगी रिलीज

मुंबई दक्षिण भारतीय सिनेमा के जानेमाने अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'आदुजीविथम' 10 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी। सोशल मीडिया पर पृथ्वीराज सुकुमारन ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, सबसे बड़ा सर्वाइवल एडवेंचर। एक अविश्वसनीय सच्ची कहानी, असाधारण रहस्योद्घाटन का गवाह बनें। यह फिल्म बेन्यामिन द्वारा लिखे गए इसी नाम के मलयालम उपन्यास का रूपांतरण है। यह फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी।

किंग के गाने 'मान मेरी जान' ने इतिहास रचा

मुंबई ग्लोवल म्यूजिक आइकन किंग के गाने 'मान मेरी जान' ने इतिहास रच दिया है और उनका यह गाना स्पॉटिफ़ाइ पर सवसे ज्यादा स्ट्रीम किया जाने वाला गाना वन गया है।किंग इन दिनों अपने 'टुवॉर्ग जोरो पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर प्रेजेंट्स किंग न्यू लाइफ इंडिया टूर 2023' में व्यस्त है, जिसे वेंगलुरु, जयपुर और कोलकाता में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। वहीं किंग का एक गाना ऐसा भी है जिसने अव इतिहास रच दिया है। एल्वम 'शैपेन टॉक' से किंग का लव सांग 'मान मेरी जान' साल का सवसे ज्यादा स्ट्रीम किया जाने वाला गाना वनकर उभरा है। 275 मिलियन से अधिक वार वजने के साथ, यह स्पॉटिफ़ाइ पर भारत में सवसे अधिक स्ट्रीम वाला गाना वन गया है।

सेलेना गोमेज

दादी की रसोई से बचा हुआ खाना खाती हैं

लॉस एंजेल्स पॉपुलर अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस सेलेना गोमेज का अपने दादा-दादी के साथ हमेशा करीवी रिश्ता रहा है। उन्होंने खुलासा किया है कि वह अक्सर अपनी दादी की रसोई से वचा हुआ खाना खाती हैं। 'सेलेना प्लस शेफ' होस्ट ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, अगर यह एक रेंडम ट्यूजडे की रात है, तो मैं निश्चित रूप से कुछ खा रही हूं, जो शायद मेरी दादी ने एक रात पहले वनाया था। एसशोविज डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, गोमेज को अपने दादा-दादी के साथ खाना वनाना काफी पसंद है। उन्होंने कहा, मैं अपने दादा-दादी के साथ रहती हूं। हम ज्यादातर रसोई में रहते हैं और खाना वनाते रहते हैं।

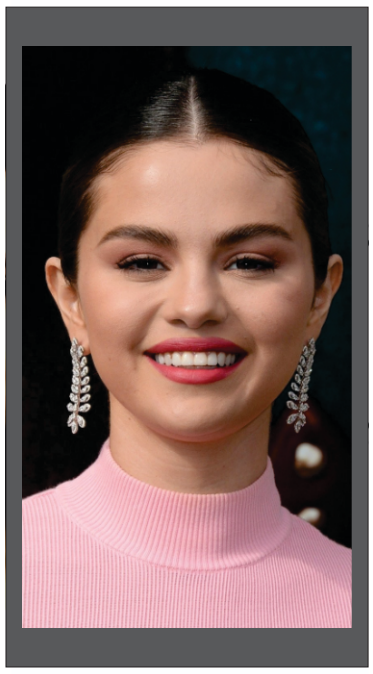

'यह देखकर अच्छा लग रहा...'

सीरीज जीतने के बाद फूले नहीं समाए सूर्या

कप्तान ने खिलाड़ियों के लिए कही बड़ी बात

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। रायपुर में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रिंकू सिंह 46 रन और जितेश की कैमियों पारी की बदौलत 174 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 154 रन ही बना सका। अक्षर पटेल ने तीन विकेट चटकाए। दीपक चाहर को दो विकेट मिला। भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 3–1 की अजेय बढ़त बना ली है।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज जीत ली है। रायपुर में खेले गए चौथे टी20 मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से मात दी। रिंकू सिंह और जितेश शर्मा की तूफानी बल्लेबाजी के बाद अक्षर पटेल ने गेंदबाजी में कहर बरपाया। जीत के बाद सूर्यकुमार ने कहा कि जिस तरह से टीम प्रदर्शन कर रही है, वह देखकर अच्छा लग रहा है।

गौरतलब हो कि रायपुर में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रिंकू सिंह 46 रन और जितेश की कैमियों पारी की बदौलत 174 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 154 रन ही बना सका। अक्षर पटेल ने तीन विकेट चटकाए। दीपक चाहर को दो विकेट मिला।

टीम का प्रदर्शन देख खुश हैं कप्तान सूर्या

मैच के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा, टॉस के अलावा सब कुछ हमारे हिसाब से हुआ। जीतना बड़ा उत्साहवर्धक एहसास है। हमारे युवा खिलाड़ी जिस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं, वह देख कर अच्छा लग रहा है। आज के मैच में स्थिति की परवाह किए बिना सभी ने खुल कर खेला और यही मैंने उनसे कहा भी था कि निडर रह कर अपने खेल को आगे बढ़ाया जाए और उसके बाद हम देखेंगे कि क्या होता है।

भारत ने सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

बता दें कि पांच मैचों की सीरीज में भारत ने 3–1 से अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मुकाबला बैंगलोर में खेला जाए। इसके बाद सूर्यकुमार के नेतृत्व में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले भारतीय टीम मैनेजमेंट तैयारियों में जुट गया है।

बड़े मैच के प्लेयर माने जाते हैं सुदर्शन, 22 साल की उम्र में अपनी तकनीक का लोहा मनवाया

स्पोर्ट्स डेस्क। चयनकर्ताओं ने जो सबसे ज्यादा चौंकाने वाला फैसला लिया है वह वनडे टीम को लेकर ही है। कुछ नए चेहरे शामिल किए गए हैं। वहीं, रिंकू को टी20 के साथ वनडे टीम में भी शामिल किया गया। साई सुदर्शन भारत के नए चेहरे हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। इस दौरे पर टीम इंडिया तीन टी20, तीन वनडे और तीन टेस्ट मैच खेलेगी। पहला मैच 10 दिसंबर को (टी20) खेला जाएगा। वहीं, वनडे सीरीज की शुरुआत 17 दिसंबर से होगी। भारतीय चयनकर्ताओं ने वनडे टीम में काफी बदलाव किए हैं। वनडे विश्व कप 2023 में खेलने वाले सिर्फ तीन खिलाड़ी इस वनडे टीम में हैं। इनमें श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और कुलदीप यादव शामिल हैं।

चयनकर्ताओं ने जो सबसे ज्यादा चौंकाने वाला फैसला लिया है वह वनडे टीम को लेकर ही है। शुभमन गिल को वनडे स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऋतुराज गायकवाड़ के साथ साई सुदर्शन या रजत पाटीदार ओपनिंग करते दिख सकते हैं। वहीं, मध्यक्रम में संजू सैमसन, श्रेयस अय्यर और कप्तान केएल राहुल खेलते दिख सकते हैं। रिंकू सिंह को मैच फिनिशर की भूमिका मिल सकती है। सुदर्शन को मौका ऐसे ही नहीं मिला है। यह उनकी पिछले काफी समय की मेहनत और कठिन परिश्रम का नतीजा है। 22 साल की उम्र में ही इस खिलाड़ी ने अपनी तकनीक और टेम्परामेंट का लोह मनवाया है। आईपीएल हो या तमिलनाडु प्रीमियर लीग या फिर घरेलू टूर्नामेंट सुदर्शन ने हर टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।

गुजरात के लिए शानदार प्रदर्शन

सुदर्शन सबसे पहली बार 2022 आईपीएल के दौरान चर्चा में आए थे। उस सीजन उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए सिर्फ पांच मैच खेले थे, लेकिन 36.25 की औसत और 127.19 के स्ट्राइक रेट से 145 रन बनाए थे। इसमें एक अर्धशतक शामिल था। ऐसे में गुजरात ने उन्हें रिटेन किया था और 2023 में भी उनका शानदार फॉर्म जारी रहा। 2023 आईपीएल में उन्होंने आठ मैचों में 51.71 की बेहतरीन औसत और 141.40 के शानदार स्ट्राइक रेट से 362 रन बनाए। इनमें तीन अर्धशतक शामिल रहा। आईपीएल 2023 के फाइनल में कठिन परिस्थितियों में सुदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 96 रन की पारी खेली थी और अपनी टीम को अच्छे टोटल तक पहुंचाया था। हालांकि, उनकी टीम फाइनल नहीं जीत सकी थी, लेकिन सुदर्शन ने सभी का दिल जरूर जीता था।

सुदर्शन का बैलटग स्टाइल शानदार

सुदर्शन की खास बात यह है कि वह आज कल के स्टाइल वाले बल्लेबाज नहीं हैं, जिनके पास अनऑर्थोडॉक्स शॉट हों। वह पुराने समय के बल्लेबाजों की तरह हैं, जो क्लासिक शॉट्स से रन बटोरने में विश्वास रखते हैं। शुरू में सुदर्शन अपनी पारी को जमाने में समय लेते हैं और एक बार पिच को पढ़ने के बाद खुलकर अपने शॉट्स लगाते हैं। इसका उदाहरण है कि 2022 आईपीएल में सुदर्शन ने 14 चौके और तीन छक्के लगाए थे, जबकि 2023 में उन्होंने 33 चौके और 12 छक्के लगाए। वह दो सीजन मिलाकर आईपीएल में 13 मैचों में 46.09 की औसत और 137.03 के स्ट्राइक रेट से 507 रन बना चुके हैं। इनमें चार अर्धशतक शामिल हैं। सुदर्शन ने ओवरऑल टी20 में 31 मैचों में 37. 53 की औसत और 125.61 के स्ट्राइक रेट से 976 रन बनाए हैं।

सुदर्शन का घरेलू टूर्नामेंट में रिकॉर्ड

वहीं, लिस्ट–ए क्रिकेट में तो उनका रिकॉर्ड और भी जबरदस्त है। 22 साल की उम्र में ही सुदर्शन 22 लिस्ट–ए मैच खेल चुके हैं और 65.05 की औसत और करीब 100 के स्ट्राइक रेट से 1236 रन बना चुके हैं। इनमें छह शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 11 फर्स्ट क्लास मैचों में सुदर्शन 43.63 की औसत से 829 रन बना चुके हैं। इनमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। अभी जारी 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में सुदर्शन चार मैचों की तीन पारियों में 49.33 की औसत से 148 रन बना चुके हैं। इसमें एक शतक शामिल है।

सुदर्शन इस साल हुए इमर्जिंग एशिया कप में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे और उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग भी की थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने पांच मैचों की पांच पारियों में 73.33 की औसत और 99.10 के स्ट्राइक रेट से 220 रन बनाए थे। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन का नाम तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) से चमका था। वे टीएनपीएल 2021 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर थे। उन्होंने लाइका कोवई किंग्स के लिए आठ पारियों में 71.60 की औसत और 143.77 की स्ट्राइक रेट से 358 रन बनाए थे। इसके बाद ही उन्हें 2022 के मेगा ऑक्शन में 20 लाख रुपये में गुजरात ने खरीदा था। हालांकि, उनका प्रदर्शन करोड़ों में बिकने वाले कई खिलाड़ियों से बेहतर रहा है।

सुदर्शन का है स्पोर्ट्स बैकग्राउंड

साई सुदर्शन के परिवार में खेलों के प्रति काफी जुनून है। उनके पिता भारद्वाज एथलीट थे। उन्होंने भारत के लिए साउथ एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं, उनकी मां उषा भारद्वाज ने तमिलनाडु के लिए वॉलीबॉल खेला है। सुदर्शन बचपन से ही ज्यादा रन बनाने के लिए जाने जाते थे। वे अंडर–10 चैलेंजर ट्रॉफी में इंडिया–ए के लिए 2019–20 में यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग कर चुके हैं। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा, लखनऊ सुपर जाएंट्स के रवि बिश्नोई और भारतीय अंडर–19 टीम के कप्तान रहे प्रियम गर्ग उस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं।

रुतुराज गायकवाड़ ने टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। भारतीय टीम के ओपनर रुतुराज गायकवाड़ ने रायपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए चौथे टी20 इंटरनेशनल मैच में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। गायकवाड़ ने चौथे टी20 में 28 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाए। रुतुराज गायकवाड़ टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 4000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। गायकवाड़ से पहले यह रिकॉर्ड केएल राहुल के नाम दर्ज था। गायकवाड़ ने 116 पारियों में 4000 रन पूरे किए जबकि राहुल ने 117 पारियों में यह आंकड़ा पूरा किया था।

यूनिवर्स बास के नाम दर्ज है रिकॉर्ड

बता दें कि वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 4000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड दर्ज है। यूनिवर्स बॉस के नाम से मशहूर गेल ने केवल 107 पारियों में 4000 रन का आंकड़ा पार किया था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज शॉन मार्श (113), पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम (115) और न्यूजीलैंड के ओपनर डेवोन कॉनवे (116) का गेल के बाद नाम आता है।

भारत ने सीरीज पर किया कब्जा

बता दें कि भारतीय टीम ने शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 174 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में सात विकेट खोकर 154 रन बना सकी। भारत ने इस जीत के साथ ही पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज पर 3–1 से कब्जा किया। सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने शुरुआती दो मैच जीते थे, लेकिन फिर ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचकारी तीसरा टी20 जीतकर सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखी थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां टी20 इंटरनेशनल मैच रविवार को बेंगलुरु में खेला जाएगा, जो महज औपचारिक भर रह गया है।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
Tital code: UPHIN51019
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।